

ASHA ARCHIVES

1015

SHAH N. H.

ASHA ARCHIVES





ॐ नमः श्री कारुणीक वीर्योक्त नाय ॥ अथ दीपदान विधि शल  
 ॥ हृथक कुरु सिधनक ॥ भालकुरय ॥ उकरकुरयाय ॥ अः  
 मकनयमनडा ॥ मिथमनडा ॥ नरिसयनमभनयाऊ  
 यथडा मूलरुकायाय ॥ सुनिकुरुयात कालसंदहाडा  
 नित्यकर्मधूनकाडा ॥ दा ॥ जययाय ॥ नाद्रिडा सुनै ॥ शु  
 रिथासडा हाडा ॥ नमयनवंधिलाडा ॥ यिलानयहाडा ला  
 सासायाडा गाल लोका ॥ पूनास न अरु पण्डव वेयात आधा

नवाय ॥ मञ्जितयस लायितय ॥ सुलायिस वहुस्मन अरु  
 पण्डवाय ॥ अर्घ्यायात पीक वाय ॥ अर्घ्यामञ्जितय ॥ थन  
 दवस्मानादि स्नान त्वं कुर्या ॥ थन वीथलं खस्याना कनकाः  
 याडा सुयोद्योयाय ॥ अर्घ्यादि ॥ वक्र ॥ गुनूनमस्तान ॥ अ  
 दिन अर्घ्यापूजादि आत्मपूजायाय ॥ थडा कया अरु लि न  
 य ॥ ३ ॥ थन कारुणीक वीर्यया वि ॥ भवपूजा ॥ आभननय ॥ ॐ  
 आधनमस्तान्म ॥ दिखानम ॥ ४ ॥ पृथीथियाडा पलपडसा ॥



ॐ पृथिव्यामत्र पृथक् पृथक् ॥ सुतर्लं चन्द्र ॥ कूर्मो देवगात्रा  
सनायवर्गमन विनिधाग ॥ पृथ्वी त्वया धृता सा का दवित्वं  
विष्णुना धृता त्वं च धनयमो दवि य विष्णु कृत्र वा सन ॥  
धनतुगात्सा न लया य ॥ ललाका प्रका हास कृम गच्छा  
जुक्त ग हाहाल स्वान चीथर्लं खका योडा कृम विहाडा  
वालाय विह न लेधन काडाया य ॥ ॐ अय स र्यं नुय रूना  
य रूना पुवि सी रूना य रूना विष्ट क रूना च न न अ नुमि

वा रूया ॥ थडा माल हिल का डाद म दि ग सी हा ल ॥ खडा गुमि  
व सा हाडा गाल य य या य ॥ ॐ असाय रुट ॥ ३ ॥ दिग्व न्धन  
॥ लं खन थडा म्म दूय के ॥ नं ॥ सा स र्थ को य ॥ हं स ॥ यं  
१ ग ॥ नं ग ॥ वं ३ ॥ नया निहाडा लं ग ॥ हं ३ ॥ सो खः  
अनयि काय ॥ सा हं ॥ सा का काय ॥ थन पा ला या म द सा ॥  
थडानू गल स थिया डाया म पुनि वा या य ॥ मूँ जो को यं न  
लं वं मं वं स हं हं स ॥ सा हं थि का रू वी र्था रू ने स पा



ॐ ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ॥  
 श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥  
 ॐ ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ॥  
 धनं धनं ॥ धनं धनं ॥ धनं धनं ॥ धनं धनं ॥ धनं धनं ॥  
 नमः ॥ श्री कार्तिकेय्या नमः ॥ श्री कार्तिकेय्या नमः ॥ श्री कार्तिकेय्या नमः ॥ श्री कार्तिकेय्या नमः ॥ श्री कार्तिकेय्या नमः ॥  
 उदय उदय ॥ उदय उदय ॥ उदय उदय ॥ उदय उदय ॥ उदय उदय ॥  
 श्री दीपदानस्य देवताय नमः ॥ श्री दीपदानस्य देवताय नमः ॥ श्री दीपदानस्य देवताय नमः ॥ श्री दीपदानस्य देवताय नमः ॥ श्री दीपदानस्य देवताय नमः ॥

श्री कृष्ण दत्त ना. दुर्गा वीजं नमः ४ गङ्गा ४ श्री कौल की ममाहि  
सकल मन्त्रानथ सिद्धा. (थ) ऊप विनियोग ४॥ धृति जाय ॥ भो  
लस ॥ दक्षिण यशुषय नमः ४॥ म्रुतुस ॥ अनूष्टुपुन्दस न  
मः ४॥ नूग लस ॥ श्री कार्त्तिक वीर्या कृष्ण नमः दा विष्णु द्वि वना य  
नमः ४॥ गुप्तस ॥ श्री वीजाय नमः ४॥ वासि न र्वस ॥ नमः ४  
गङ्गाय नमः ४॥ सर्वगस ॥ श्री कौल काय नमः ४॥ हाजल  
य ॥ ममाहि सकेल मन्त्रानथ सिद्धा. (थ) ऊप विनियोग ४॥







यो महावीर्यो कार्यो सिद्धिं कुम्भदिनं ॥ विसमया हाउको  
 मानी सुगन ॐ गालदिन ॥ ॐ क्रां क्रां क्रां कार्त्तवीर्यो उक्कदि  
 मम समीदिनं कुरुष्व स्वाहा ॥ ॐ गाल वूल ॥ ॐ कन्या कन  
 स्यर्षयूत यथानुविनिर्मित ॥ वल्लिक कार्त्तवीर्यो क्षम  
 शो मां यनियूनय ॥ ॐ क्रां कार्त्तवीर्यो वल्लिक न्ययामिः  
 स्वाहा ॥ मन्त्राय क ॥ ॐ क्रां कार्त्तवीर्यो संधूष ॐ यि नै सिद्ध  
 तु स्वाहा ॥ कार्त्तवीर्यो महावीर्यो सर्वदूष विनासे न दीप







महामलुपाय०॥ॐ सुवलेखदिकार्य०॥ॐ नवनल  
सिंहासनाय०॥ॐ धर्मोय०॥ॐ क्लानाय०॥ॐ वैराग्य  
य०॥ॐ वैश्वर्याय०॥ॐ अर्धमोय०॥ॐ अक्लानाय०॥  
ॐ अर्धैराक्लानाय०॥ॐ अर्धैश्वर्याय०॥ॐ मायाय०॥ॐ वि  
द्याय०॥ॐ अनकाय०॥ॐ यद्राय०॥ॐ आनन्दकन्दा  
य०॥ॐ सैवित्रालाय०॥ॐ पृथुनिमयपर्वण्य०॥ॐ वि  
कानमयकंगन्य०॥ॐ पञ्चभगदलुवीजाद्युसर्वतः

स्वामिकार्यकलुकार्य०॥ॐ अर्कमलुलाराय०॥ॐ उंसाम  
मलुलाराय०॥ॐ मं वक्रिमलुलाराय०॥ॐ वेङ्गल०॥ॐ वि  
षुव०॥ॐ उदाय०॥ॐ सैयुवाधत्मलसत्वाय०॥ॐ प  
कृत्वात्मलनजस०॥ॐ नंभाहात्मलगमस०॥ॐ  
आंआत्मल०॥ॐ अंअननात्मल०॥ॐ यंयनमात्म  
ल०॥ॐ कींक्लानात्मल०॥ॐ क्लानतत्वात्मल०॥ॐ मा  
यातत्वात्मल०॥ॐ क्लानतत्वात्मल०॥ॐ विशातत्वा



सुल०॥ॐ पनगत्वा सुल०॥ॐ विमलाये०॥ॐ उल्ल  
खिले०॥ॐ ज्ञानाये०॥ॐ क्रियाये०॥ॐ योगाये०॥ॐ य  
ये०॥ॐ सफाये०॥ॐ शीमाये०॥ॐ अनूय हाये०॥ॐ  
तिपी० पूजा॥ पूजा॥ॐ नमो ह गवग विष्णु व दुंस  
वैतना सुल० कार्त्तिकी शैनाय सर्व सथा गपम  
पी० सुल० नमः॥ धनमूलन शुद्ध सिखा लगय  
॥ धनक्रादू अकनक वन्दन क्रादू खान काया डीकू

नमो भूतान द वध्मान याय॥ॐ अया सर्व हया सुलाक  
न निरु० यथा तनाथानि न० स्वर्ग सुक पवित्रात कंध  
न धना न कांशु का श्रीषवान्॥ नाना के ल्य विरुषित०  
क न सह साद्वाना सना वीना लाद्व सह सया क्रन नि  
भीरु वल्लो न० य० ४॥ सफदीये कनाथ० सविगुस  
मनु वि० सर्व इष्टा न को न० पाया दक्राय नाको नथ  
वल्ले नि सय० कू से काया तिला म० वाया रुषु गिला की



कनधृगधनूधानिःस्वनेलायमानं सः शीमानः  
 कार्त्तवीर्यासुखितनृपनगांघीवूजः क्रियुकात्री  
 ॥ ध्यानपूर्व नमः ॥ आवाहनादिमूडाकर्त्त ॥ ॐ  
 श्रीकार्त्तवीर्याकर्त्तनः ॐ हा गच्छ २ ॥ ॐ ह निष्ठ २  
 ॐ ह स निदिता ह २ ॐ ह स नित्रुहा ह  
 २ ॐ ह म म पूजा गृहा लक्ष्मि रुट स्वाहा ॥ ध्यान  
 आवाहनादिमूडा ॥ द व या क य स्तु मे न्या स या क ॥

अवगुणनयाय ॥ ॐ मदकदमलविषया ह व नमः ॥  
 धनू मूडाकर्त्त ॥ ॐ स्नान न्य पूजित पूजित ह ॥ महामूडा  
 कर्त्त ॥ ॐ ज्ञाना ज्ञान पूर्व कम नूषित सर्वोपनाध सहिषु  
 ह व नमः ॥ धन द व गुण मूडानथि स्या लपु निष्ठा याः  
 य ॥ ॐ आर्त्तार्त्तार्त्तार्त्त आदि न हं सः ॥ धन आदि नया लपु नि  
 ष्ठा याय ॥ या आदि नया ॥ ॐ श्री कार्त्तवीर्याकर्त्त नाय या  
 य नमः ॥ धन व कर्त्त यः ॥ ग व हान यः ॥ मृ ग हान







॥ कृष्णकृष्णमनत्रियकाडादवस्कुगन ॥ दवनमस्का  
नयाय ॥ नंथं दं धं नं पं रुं वं रं मं उं स्वाहा ॥ धनये  
निवानपूजायाय या नमोऽस्तु ॥ नमोऽस्तु कृष्णकाया  
डाहाजलयाडा ॥ ॐ पनमानन्यसंपूर्ण पनिवान  
यियाशैने ॥ अन्तर्हिरगवन पनिवानाश्च ना  
यमे ॥ कृष्ण ॥ नमस्का ॥ धनयेनिवानपूजाया  
या ॥ ॐ गुत्रुष्टानमः ॥ ॐ शुं वं रुं दयाय नमः ॥ श्री

अ० २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ ह्रीं क्लृप्ताय नमः ॥ ॐ चं श्री नमः  
द विहं जननाय ॥ ॐ मं मा नीम द विहं जननाय ॥ ॐ अ नि  
म द विहं जननाय ॥ ॐ स सु ना नि म द विहं जननाय ॥  
ॐ द इ षू ना ग नाय ॥ ॐ द इ ष ख ना ग नाय ॥ ॐ द इ नि  
ग ना ग नाय ॥ ॐ अं आ म य ना ग नाय ॥ ॐ कं क म कः  
थ ॥ ॐ वं व थ क थ ॥ ॐ वं वि श्र क थ न म ॥ ॐ धं  
ध न क थ ॥ ॐ लां लां डाय न म ॥ नां अ न य ॥ मां य



माय०॥द्वंने शृत्याय०॥वृंवन् लय०॥यूं वायव०॥सूं  
कृवनाय०॥द्वंलो मनाय०॥ॐ कृंकृद्वीय०॥ॐ मूं मूं  
धस०॥वंवकाय०॥मं मं कय०॥दंद लय०॥ॐ र्व  
स्वकाय०॥ॐ यं पा मय०॥ॐ मूं मूं क मय०॥ॐ मं मं  
दाय०॥ॐ तं त्रिभूलाय०॥ॐ र्वं वकाय०॥ॐ यं पद्माय  
०॥ॐ जीं ही लुयालाय०॥ॐ मं मूं मलाय०॥ॐ यं यनि  
द्याय०॥ॐ तं नामलाय०॥ॐ यं यनमव०॥ॐ र्वं वाः

लय०॥ॐ र्वं वायाय०॥मं मं रवाय०॥ॐ कंकलिनं न  
म०॥धुनं म सुपूजा॥अथ नामनपूजा॥यं श्रीलि॥श्री  
कारुवीर्यो कौनायनम०॥ॐ कारुवीर्यो कौनायनम  
०॥ॐ धनिनं०॥ॐ नाकुदाय०॥ॐ हे हय मयनाय  
०॥ॐ दलुप्रय पियाय०॥ॐ विदुष०॥ॐ वक्र मपा  
य०॥ॐ सहस्रपुत्रम लुताय०॥ॐ वापिल०॥ॐ र्व  
किनं०॥ॐ नधिने०॥ॐ वालिल०॥ॐ नूनिनं०॥



ॐ चर्मिल ॥ ॐ महावलाय ॥ ॐ सुहृगमय ॥ ॐ सुम  
राय ॥ ॐ घातिन ॥ ॐ भानाय ॥ ॐ चक्रवर्तिन ॥ ॐ  
गुलकनाय ॥ ॐ दग्धस्य दय्यधु ॥ ॐ नवजललीः  
लाहकाय ॥ ॐ सुदुर्जयाय ॥ ॐ दुःखधु ॥ ॐ श्री  
नदमनाय ॥ ॐ नोऊनाऊभनाय ॥ ॐ पुहव ॥  
ॐ सर्वज्ञाय ॥ ॐ सर्वदाय ॥ ॐ श्रीमर्ग ॥ ॐ सर्व  
मिष्टदाय ॥ ॐ कृतिन ॥ ॐ नाऊचूतामलय ॥ ॐ

श्रीगिल ॥ ॐ सफदीयाधिनायकाय ॥ ॐ विक्रयिन  
॥ ॐ विश्वनाय ॥ ॐ वाग्मिने ॥ ॐ महागगय ॥  
ॐ मूलालूपाय ॥ ॐ यदन ॥ ॐ विप्रयियाय ॥  
ॐ विद्व ॥ ॐ वृद्धगमयाय ॥ ॐ सनातनाय ॥ ॐ  
मादिष्ठातीयनय ॥ ॐ महाकीर्त्य ॥ ॐ महापुः  
काय ॥ ॐ सुकृमानाय ॥ ॐ महावीनाय ॥ ॐ मानि  
द्याय ॥ ॐ मदिनकलय ॥ ॐ भक्तदाय ॥ ॐ भ



भगवाय०॥ॐ भूनाय०॥ॐ भस्वराय०॥ॐ भगवतः  
सहाय०॥ॐ महाहागवताय०॥ॐ धीमताय०॥ॐ म  
हाहाय विनागनाय०॥ॐ भूसाधविगुहाय०॥ॐ दि  
व्यहावाय०॥ॐ व्यापकगगुयाय०॥ॐ सर्वभूतक  
लाधनाय०॥ॐ विनजस०॥ॐ लोकवन्दिताय०॥ॐ  
वीनाय०॥ॐ विमलसत्तायाय०॥ॐ महावल्लभना  
कमाय०॥ॐ विजयधीमयाय०॥ॐ मान्नाय०॥ॐ

जिगानाय०॥ॐ मनुनायकाय०॥ॐ स्वस्वराय०॥ॐ  
कामदाय०॥ॐ कानायाय०॥ॐ कालघ्राय०॥ॐ कमल  
कलाय०॥ॐ रुद्रवाद्यपियाय०॥ॐ वेश्याय०॥ॐ वि  
बुधाय०॥ॐ वनदाय०॥ॐ वसिन्ताय०॥ॐ जिगान्द्रिया  
य०॥ॐ जिगालय०॥ॐ स्वच्छन्दाय०॥ॐ भूतनकविक  
माय०॥ॐ चक्रराय०॥ॐ पञ्चवक्त्रघ्राय०॥ॐ सैशम  
निधियूजिगारिलल्लगलाय०॥ॐ दिव्यासुरराय०॥



ॐ गुरुभ्यात्मने नमः ॥ ॐ सर्वभूतहिते नमः ॥ ॐ महाकालाय नमः  
॥ ॐ सर्वविघ्नहर्त्रा नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ यन्  
पूर्वज्ञेयं ॥ ॐ योगसिद्धये नमः ॥ ॐ महाकाशाय  
नमः ॥ ॐ महावृन्दभाषिणे नमः ॥ ॐ सर्वज्ञाननिधये  
नमः ॥ ॐ सिद्धिदानकृष्णाय नमः ॥ धूम्रैस्त्वत्पद्मे  
नामनपूजायाय ॥ अथ द्वादशनामनपूजायाय ॥  
ॐ कार्तवीर्योय नमः ॥ ॐ खलद्वेषिणे नमः ॥ ॐ कृष्णाय

यस्मिन् गाय०॥ ॐ वसि ८०॥ ॐ सहस्रवाहव०॥ ॐ म  
 कुशाय०॥ ॐ नकवासस०॥ ॐ धनूद्वेनाय०॥ ॐ नक  
 गन्धाय०॥ ॐ नकमाख्याय०॥ ॐ नकम्भग्रव०॥ ॐ  
 मूर्तिद्वयाय०॥ धूमिदादभनामनपूजा॥ धनवी  
 धस्वानमूर्कतमूर्धसिधूडाडाडाडाडावान॥ ॐ म  
 वाहनादिपाद्यार्घ्याचमनीयस्नानचन्दननकचन्द  
 नगन्धचन्दनसिन्दूनाकृतपूष्पीश्रीकार्त्तवीर्याशौन



कार्तवीर्यार्जुनपद्धति

ललितानन्दोपनिषद् श्रीमद्वायुपुराणम्

ललितानन्दोपनिषद्



INDIA ARCHIVES



(K)

ललितमाला पद्मामोक्ष

ललितमाला पद्मामोक्ष

|            |  |
|------------|--|
| प्रभात काथ |  |
| 1015       |  |

THE ARCHIVES



महाविष्णुवनमः॥ धनधूयतया॥ ॐ वनस्यति न साहू  
नैः सर्वधूयाह माहर्मि॥ आद्यार्णिसर्वदवानां धूयायैः  
पुतिगृष्कगां॥ मगविष्य॥ ॐ सुयुक्ता॥ महदीयः स  
वृति मिनायहं॥ स्वाक्रायनेनं अति दीपार्यपुति  
गृष्कगां॥ नैव श्रु॥ अधनयाया॥ काय॥ वक्र॥ अश्रीः स  
मनसमिगः॥ ह्यविष्टः॥ समतः॥ श्रु॥ दालयजनक  
नयाकोनयावीशसानः॥ नेमकी॥ अयहसनेयनाहा

सयन्नमेति स्वे॥ उक्तायाः मलकतमथ वज्रसानूह  
हयगः॥ दवेधियक॥ यश्च असतया॥ निंया॥ अयस्वा  
हा॥ अ॥ अ॥ पानाय स्वाहा॥ निं॥ यानाय स्वाहा॥ निं॥ उ॥ दाना  
य स्वाहा॥ निं॥ समानाय स्वाहा॥ नै॥ व॥ श्रु॥ चीलाडा॥ कृष  
काय॥ धनपूनेनाचमने अ॥ घा॥ नि॥ कृ॥ तुलू॥ नय॥ ॐ अ॥  
मृ॥ गा॥ प॥ सु॥ न॥ ले॥ म॥ सि॥ ॥ धन॥ खो॥ दू॥ लं॥ ख॥ न॥ य॥ ॐ ॐ दैः  
भी॥ न॥ ल॥ ऊ॥ लं॥ श्री॥ कार्क॥ वी॥ श्या॥ शी॥ न॥ म॥ हा॥ वि॥ ष्णु॥ व॥ न॥ म॥ ॥







दवया न क्काय ॥ ॐ दुं कार्हेवी शो सुना धीग ॥ र काना  
मरुयै क न । ममाही शय सनेनं ॥ क्रीरुमन समाधुय ॥  
पूजुं क्रीर सनयन लिक्कात ॥ धन अष्टादि न्या सयाय  
॥ धन अष्टयाय ॥ ॐ आं ऊं डूं व्रीं स्वाहा ऊं ॥ धम  
नुहु कायाय ॥ धूमि अष्टयाय धून काडा अरु कन अष्टा  
सधू हाडा जा हाडा धाने ॥ ॐ गुक्काति गुक्का गफकीर्त्य  
गृहात्मा स्मरुते अष्टपै । सिद्धि र्वव तुम दव ॥ लख सादा

ल्ययि सिद्धि ॥ अरु कन लै रव दवय अडा ला हा मि सुनया  
डा अष्टपै समर्थ लायाय ॥ धन रुने दव पूजा याय ॥ क  
पून मत क्काय क ॥ वाक्का ॥ श्री कार्हेवी शो रूनाय कर्पू  
नदीपी निव दया मि नमः ॥ धन अरु नति नया ॥ श्री का  
रुवी शो रूनाय नी नाड नै समर्थ या मि नमः ॥ धन  
कृणु नया ॥ ॐ श्री कार्हेवी शो रूनाय रूंदै कृणु निव  
दया मि नमः ॥ धन वा मन ल गमल ॥ ॐ श्री कार्हेवी



योईनाय०००दीवामनीसमर्थयामिनमः॥धनपूजा  
याय॥कार्तवीर्योईनानामनाडावाइसहसवाने।  
तस्यसमनलेमणनदनीनखंडलतयने॥पूजा॥१॥  
याहवशोकनकार्थः०॥अंगभवेकंदनेविभु।तन्नमा  
मिमहावीर्योमईतंकुनवीर्योई॥पूजा॥२॥कार्त  
वीर्योमहावीर्योसर्वइष्टविनाशन।सर्वशसर्वदा  
सर्वइष्टानामययाहिमी॥पूजा॥३॥उनिष्ठइष्ट

दमनस्यदीयेकपालक।त्वामवगनर्त्तियाफेस  
वृणानकमामिदा॥पूजा॥४॥इष्टयुक्तिर्वस्यिषिः  
किंनिष्ठसिमहायदि।पादिन४सर्वदासर्वतयय  
४स्यसुगानिवा॥पूजा॥५॥धुवापुष्पकनपूजाया  
य॥धनमूलमकुलदायालगुजरलिनय॥दुर्नक्षत्र  
कनीपूजायाय॥आगनुकोमानखिलानसिद्धसु  
विलुपकान्।निवानयनुदाई०सुसहस्रलमहाने



ध४॥१॥स्य क प्रायुग साहस पाभवद्धां प्रइऊं यात्  
।सं नूद्वगगि सा मथर्भन क प्रायुग न वीर्य ऊ४॥२॥  
सु नि साहस निहिन्ना न्महस स नवदिता न्।नाऊ  
वूता मलि त्रिपु क प्रायुग स्मदि पाध कान्॥३॥ख ऊ  
साहस दलिगान् सहस मू मलादिगान्।ओ नादि  
इष्ट मठा घान् के प्रायुग कमल कल ४॥४॥सुर्ग ख  
नाद संयुक्तान् सहसा न विदा निगान्।क प्रायुग सर्व

इष्टा घान् सहसा न सहस हत ॥५॥धन कवच य  
लय सहसना मय लय ॥भव भव रुका सुप्रयाय  
॥धन नूतन लखि झाडा डामन कूय के ॥धूति धून का  
डान्या से या ये झाया वा या गु लिनै ॥मन मसि कभाः  
संजय रुका या य ॥मन सिय रुद सुनै थ ॥श्र क वा  
न ॥कारु वीर्य सुना धीग ॥रुका नाम रय पुद ॥उत्स ऊ  
यामि गदीपै ॥प्रापय स्व क सी कर्ण ॥धूति वाडा डी



गूलनद्यादाडाकाय॥नासिय॥धुनदीपदानयाआ  
नैलककुयाविधिइला॥अथसतिकुङ्कुनिस्यंधूनक  
मगडागालयाविधि॥नासियआदिनेसमसुंयकु  
वायमूवालादीपपाउसंस्नानयायमूवालाभ  
वदकीयाडागकुंमालमनचाकधोलभधना  
दिसमसुंमालआवाहनविसर्जनयायमूवाला  
आवनलपूजायायमालमनयागपूजाउर्ध्वमाल

उपक्षिनदासुद्धिमरुगसासगद्धिनक्रायायमगडा  
॥उपसमसुंनेस्तुत॥भुकेनपूजाउर्ध्वन्यासआ  
वमादिपुथमदिनयाथदकीयायेधुननियदीप  
दानयागालमालइला॥विसर्जनयायमगडा॥  
उगूलनमनइकीद्यादाडाकायथुनिनिययाय  
नियानिइला॥अथधूनककुङ्कुयाविधिचाय॥  
आवमनादिआलेपूजासंस्नानयायआवा



हनयाय मूचाल समर्क आन मूकू या थं याय ॥  
विसर्जन याय ॥ संहान मूकान दव या क वा रुखान  
काया डान तु हा डी कू य दव गा थ डानू ग ल स सी न  
श डी लाल प ॥ न्या स या य ॥ सूर्य सा कि थ य ॥ वा क  
न ॥ वा म्म ल हा डान रु या कू कू या य अ क न ग हा  
डा द व विसर्जन या य ॥ अंग कू ग कू सून अ व स  
सु कान ग म ल य ॥ य ग व क्रा द या द वा ग व ग

क म हा पु हा ॥ देव या लं ख न थ म हा य ॥ कू र प  
जा कू ल सा म ल था का या डी डी स न न मि या डी ल  
ख न लू य ॥ गु रू द कि ल स व लु द कि ल वि य ॥ लू  
ली न कू व दी य दान स ला क म ग डी ॥ य थ म दि ने  
कू कू रु ला दान या य स नि कू दू नि सी जा कू का म  
न य ॥ कू द व गा या कू का या डी व डिन य ॥ रु न  
सा आ ने मू नि सी म धू कू ल रु ला दान या य ॥



दीपदानया निर्मोक्षद कर्मरुडाथल वृगुलिस न याडा  
यः ॐ लिखे पातग ये ॥ ॐ च लुग्न नाय च लुग्न नीगकि  
सदिगाय ॥ अषिकायनमः ॥ धन धून काडा निर्मोक्षः  
आ हाडानदी स वायूषूलिस हि नि स वा कल काय थ  
म सति क्रुन दी स स्नानया य मा लरु ला ॥ धन दीप  
दान या नम रु ला ॥ कारु वीर्य स प र्यो र्य नि ली ना  
थ स्य द र्यो ॥ ॐ मिन्दी प विधि क र्त्तु कारु वीर्य स्य

पश्चात् ॥ यः ॐ पायी प कटी कर्तु गुत्रु नि नाम न द्रुतु र्भा क  
नी ॥ अ विद्या यति सत्य लो मलि म नू ४ स न्द ह वि चि ह य  
यस्य गति गुना तेन गुत्रु प द द न्द द्वि ष द म य रु ला  
वे न य ना ध उ व न य म ला सा प र्ना गु गुत्रु ४ ॥ ॐ मिन्दी  
नि लु य द र्यो ॥ क पी कारु वी र्यो र्त्तु न स्य काम्य दीप  
विधि स र्क य प द ति ४ समा फ ४ ॥ ॥ ॐ ने म ४ श्री का  
रु वी र्यो र्त्तु नाय ॥ अथ कारु वी र्यो र्त्तु न स्य प्रथम ॥







थ आ ना ग्यं कू रू कू रू हां हां कूं कूं रू रू रू रू हन हन द्विष द्वि  
 ष ॥ ॐ कूं म म मू हं लि इ खूं दान य दान य इ निर्गं हन  
 हन पायं मथ मथ आ ना ग्यं कू रू कू रू हां हां कूं कूं रू रू  
 रू रू हन हन द्विष द्विष ॥ ॐ श्रीं म म मू यू ग इ खूं दान  
 य दान न इ निर्गं हन हन पायं मथ मथ आ ना ग्यं कू रू  
 कू रू हां हां कूं कूं रू रू रू हन हन द्विष द्विष ॥ ॐ नूं म  
 म क भुक्ति ना सिका व कु के ॥ ॐ पू इ खूं दान य दान य इ

निर्गहनहनपायमथमथआनाथिक्रूक्रूहांहांक्रू  
क्रूक्रूक्रूहनहनद्विषद्विष॥ॐक्रूममवाकाइष्टः  
दानयदानयइनिर्गहनहनपायमथमथआना  
थिक्रूक्रूहांहांक्रूक्रूक्रूहनहनद्विषद्विष॥  
ॐॐममक्रूक्रूदानयदानयइनिर्गहनहनः  
पायमथमथआनाथिक्रूक्रूहांहांक्रूक्रूक्रू  
हनहनद्विषद्विष॥ॐक्रूममसर्वान्गण्डइष्टदानय



दात्रयइनिर्गहनहनपापमथमथआनाग्यक्रूरक्रूरः  
हांहांहूंहूंरुद्ररुद्रहनहनद्विषद्विष॥ॐ ह्रींममसर्वीं  
इष्टदानयदानयइनिर्गहनहनपापमथमथआनाः  
ग्यक्रूरक्रूरहांहांहूंहूंरुद्ररुद्रहनहनद्विषद्विष॥ॐ  
वींममसर्वीं॥गइष्टदानयदानयइनिर्गहनहनपाप  
मथमथआनाग्यक्रूरक्रूरहांहांहूंहूंरुद्ररुद्रहनह  
नद्विषद्विष॥ॐ ह्रींसर्वीं॥गइष्टदानयदानयइनिर्ग

हनहनपापमथमथआनाग्यक्रूरक्रूरहांहांहूंहूंरुद्र  
रुद्रहनहनद्विषद्विष॥ॐ ह्रींममसर्वीं॥गइष्टदानयदा  
त्रयइनिर्गहनहनपापमथमथआनाग्यक्रूरक्रूरहां  
हांहूंहूंरुद्ररुद्रहनहनद्विषद्विष॥ॐ नांममसर्वीं  
॥गइष्टदानयदानयइनिर्गहनहनपापमथमथआ  
नाग्यक्रूरक्रूरहांहांहूंहूंरुद्ररुद्रहनहनद्विषद्विष  
॥ॐ ह्रींममसर्वीं॥गइष्टदानयदानयइनिर्गहनहन



[illegible]

२४॥१०००८॥ धमकुजययायथवि॥१॥ सप्रथागकुला॥३॥  
 ॐ क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं  
 नमः॥ अथ द्वादशनामै॥ कार्त्तिकीयैः ४ खलद्वयी क  
 तवीर्यसूतावली॥ सहस्रवाक् ४ मकुधा नकवासाध  
 नूद्धेनशिनकगन्धानकमाणा नानासमर्मुनलीष्टद  
 ४॥ द्वादशनामैः कार्त्तिकीयैः ४ यक्षय १०७  
 संपदस्तुत्यायर्क जनास्तुत्यवर्गयदा ४॥ ॐ तिदा







हा नाऊ नाऊ उतूया यम हावलप नाकु माय निम्नु  
यगुल्लगी माय तिगुल्लसि नूयि (लसुर्व विद्या पा ना  
यम ना नथ सिद्धि दाय उपड वा निरु दाष ह नाय  
ज्ञाना लु वाय ज्ञान सिद्धि रु लु प्रदाय अज्ञान हा नि  
ल गूषा गूषा नि न ज्ञाना य निर्विकाना य नि ना स  
वाय अज्ञाना य उपमान हि ना य गुं रु दू उं दू रु दू  
मऊ ना मय २ उपड वा निवान य २ म ना नथ अन्य

नय २ वा वा सिद्धिं द हि २ कार्य सिद्धिं क नू २ महा वि  
शी प्र कट य २ उं दू दू दू रु दू रु दू स्वा हा ॥ थ म मा  
लाम कु ॥ ॐ यै च दीप दाना र्थे पे सु कं लि खि नै  
म हान् । श्री कल्लानन्द नाम न विद्या नामाय दः  
रुवान् ॥ स ६ ६ १ हा उप द भुक् १ साम वा न थ क  
दू ग्रा श्री कल्लानन्द न मिषा विद्या नाम वा वू सु वा  
या हा विद्या हा ॥ अ न न इ श्व निवान ल्ल ह व भु ह



[illegible]